प्रभु मोरी नैया पार उतारो

प्रभु मोरी नैया पार उतारो मैं डूबत हु मज्धारो
प्रभु मोरी नैया पार उतारो

भव सागर जल दुश्तल भारी सुजत नाही किनारो
बीच समंधर घोटे खावे बिन खेवट मज्धारो
प्रभु मोरी नैया पार उतारो

लम्बी लेहर उठे पल पल में महि चल चल अधारो
परवल पवन चले निष् वासर कहू किस को रंगियारो
प्रभु मोरी नैया पार उतारो

हाथ पैर में जोर न मेरे नही कोई संग सहारो
ब्रह्मानन्द भरोसो तेरो अब नही देर विचारो
प्रभु मोरी नैया पार उतारो

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16931/title/prabhu-mori-naiya-paar-utaro

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |